सूचना प्रौद्योगिकी से बदलता शैक्षणिक पुस्तकालय परिदृश्य

सोनिका सोनी, शोधकर्ता, पुस्तकालय विज्ञान संकाय, मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय, सीहोर (म.प्र.) - 466001
डॉ. शाहीना सुल्ताना खान, पर्यवेक्षक, पुस्तकालय विज्ञान संकाय, मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय, सीहोर (म.प्र.) - 466001

सारांश

सूचना प्रौद्योगिकी ने शैक्षणिक पुस्तकालयों की संरचना, कार्यप्रणाली और सेवाओं में व्यापक परिवर्तन किए हैं। पारंपरिक पुस्तकालय अब अंकीय सूचना और ज्ञान-सृजन के आधुनिक केंद्र बन चुके हैं। इस लेख में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव को ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और तकनीकी विकास के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है। एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली और अंकीय संसाधनों ने सेवाओं को अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता-केंद्रित बनाया है। संदर्भ सेवाएँ अब आभासी सहायता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों तक विस्तारित हो चुकी हैं।
सूचना प्रौद्योगिकी ने अनुसंधान और शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी समर्थन प्रदान किया है। दूरस्थ अभिगम्यता और समय पर सूचना उपलब्धता इसके प्रमुख लाभ हैं, साथ ही अंकीय विभाजन, लाइसेंसिंग लागत और तकनीकी कौशल की कमी जैसी चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। अंतरराष्ट्रीय उदाहरण दर्शाते हैं कि रणनीतिक रूप से अपनाई गई तकनीक पुस्तकालयों की प्रभावशीलता बढ़ाती है।

मुख्य शब्द (की-वर्ड्स) - सूचना प्रौद्योगिकी, शैक्षणिक पुस्तकालय, अंकीय पुस्तकालय, पुस्तकालय स्वचालन

SHRADHA EDUCATIONAL ACADEMY